सत्यमेव जयते

खंड ११ संख्या १

# बिहार विधान-सभा वादवृत्त
# सरकारी रिपोर्ट

सोमवार, तिथि ३ सितम्बर, १९५६।

Vol. XI No. 1

# The
# Bihar Legislative Assembly
# Debates
## Official Report

*Monday, the 3rd September, 1956.*

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय, बिहार
पटना, द्वारा मुद्रित
१९५६

[मूल्य—६ आना।]
*Price—Annas 6.*]

श्री भोलानाथ भगत—सरकार ने अभी जबाब में बतलाया है कि क्लब में लेबर और ऑफिसर के बीच किसी तरह का डिसक्रिमिनेशन नहीं है तो मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या यह बात सही नहीं है कि वहां पर जो मजदूर हैं वे क्लब के सदस्य नहीं हैं?

श्री वीरचन्द पटेल—मजदूर सदस्य नहीं बनाये जायं ऐसी कोई बात नहीं है। वे अपनी स्वेच्छा से सदस्य नहीं हैं या उन्हें सदस्य नहीं बनाया जाता है यह देखना चाहिए। मेरा खयाल है कि मजदूरों के मेम्बर होने में किसी तरह की आपत्ति नहीं है। यदि कोई स्पेसिफिक केस हो तो माननीय सदस्य हमें बतलायें तो सरकार उचित कार्रवाई करेगी। वहां के मजदूर कल्याण केन्द्र के क्लब के सदस्य हों यह सरकार की विशेष नीति है।

कुएं के बोरिंग के लिए जमानत।

५६। श्री शिवकुमार पाठक—क्या मंत्री, विकास (कृ ) विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि श्री रामलखन ओझा, साकिन बेलवा, थाना कुचायकोट, जिला सारन ने ता० १० जनवरी १९५४ को कुएं के बोरिंग के लिये पचास रुपया जमानत जमा किया था, यदि हां, तो अब तक बोरिंग हुआ या नहीं, यदि नहीं, तो क्यों;

(२) क्या यह बात सही है कि बोरिंग से निराश होकर उन्होंने जमानत वापस लेने के लिये दरखास्त दी है परन्तु रुपया अभी तक वापस नहीं किया गया है, यदि हां, तो क्यों?

श्री वीरचन्द पटेल—(१) खंड के प्रथम भाग का उत्तर स्वीकारात्मक है। दूसरे भाग के उत्तर में यही कहा जा सकता है कि कुएं की दीवार की कमजोरी तथा कुएं की गहराई कम होने के कारण बोरिंग करना ठीक नहीं समझा गया।

(२) प्रथम भाग का उत्तर स्वीकारात्मक है। दूसरे भाग का उत्तर नकारात्मक है। रुपया वापस कर दिया गया है।

श्री विनोदानन्द झा—नोटिस मिलने के बाद या पहले रुपया वापस किया गया?

श्री वीरचन्द पटेल—इसके लिये तो तारीख इत्यादि देखने की जरूरत पड़ जायगी।

सी० एस० आर० एस०, पूसा में पदोन्नति।

५९। श्री कर्पूरी ठाकुर—क्या मंत्री, विकास (कृषि) विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि सी० एस० आर० एस०, पूसा ने मोबाइल युनिट वर्कशाप में अपग्रेडिंग और प्रोमोशन के लिये कृषि-मंत्री एवं कृषि-निदेशक, बिहार को यहां बार-बार आवेदन-पत्र दिया है;